ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Speech **04 November, 2020**

Shri Rahul Gandhi addressed a massive public rally in Madhepura, Bihar, today.

श्री राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मदन मोहन झा जी, रणदीप सिंह सुरजेवाला जी, सुबोधकांत सहाय जी, डॉ. समीर सिंह जी, सत्येंद्र सिंह यादव जी, राव कमलवीर जी, अर्जुन राय जी, हमारी कैंडिडेट सुभाषिनी जी, कांग्रेस पार्टी के और गठबंधन के हमारे सब कार्यकर्ता, भाईयों औऱ बहनों, प्रेस के हमारे मित्रों, आप सबका यहाँ बहुत-बहुत स्वागत, नमस्कार।

आज यहाँ काफी युवा दिख रहे हैं। 6 साल पहले नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने औऱ उन्होंने युवाओं से कहा था कि हर साल दो करोड़ युवाओं को वो रोजगार दिलवाएंगे। दे दिया? (युवाओं ने कहा- नहीं) मिला, (युवाओं ने फिर कहा- नहीं) कुछ नहीं। नीतीश जी ने कहा था- बिहार को बदल देंगे। बदला? (जनता ने कहा- नहीं), नहीं बदला। अच्छा, मीटिंग में नीतीश जी जाते हैं, पिछले चुनाव में उन्होंने कहा था, रोजगार दूंगा। इस चुनाव में वही युवा, जिनसे नीतीश जी ने वादा किया था, उनकी मीटिंग में आकर उनसे सवाल पूछते हैं, हमें रोजगार क्यों नहीं दिया? और नीतीश जी उनको धमकाते हैं, उनको भगाते हैं, उनको पिटवाते हैं। मेरा कहना है सच्चाई सामने आती है। चाहे व्यक्ति कितना भी झूठ बोलना चाहे। चाहे नरेन्द्र मोदी जी 24 घंटा देश से झूठ बोलें, नीतीश जी देश से झूठ बोलें, कहीं न कहीं से सच्चाई आकर दिख जाती है। सही बात है? (जनता ने कहा- हाँ)

8 बजे रात को कुछ साल पहले नरेन्द्र मोदी जी ने कहा - कालेधन के खिलाफ लड़ाई है, 500 रुपए- 1,000 रुपए का नोट मैं रद्द कर रहा हूँ। आप सिर हिला रहे हो, (जनता के सहमति में सिर हिलाते देखकर कहा)। आपको याद है बैंक के सामने खड़े थे आप, याद है न (जनता ने कहा- हाँ) याद है न, या भूल गए, याद है। पूरा हिंदुस्तान लाइन में खड़ा था। अच्छा भईया, एक बात बताओ, जब आप लाइन में खड़े थे, उस लाइन में कालेधन वाले खड़े थे क्या? कोई अरबपति खड़ा था क्या उस लाइन में (जनता ने कहा- नहीं)? अंबानी, अडानी थे खड़े? (जनता ने फिर कहा- नहीं), नहीं, वो बैंक के पीछे के दरवाजे से गए, हैं न? हाँ, पीछे से गए और जो उन्होंने सैटिंग करनी थी, उन्होंने कर दी। आपकी जेब में से नरेन्द्र मोदी जी ने पैसा निकाला। बिल्कुल, आपसे कहा- कालेधन के खिलाफ लड़ाई है, आपका पैसा बैंक में डलवा दिया और फिर 3 लाख 50 हजार करोड़ रुपए हिंदुस्तान के सबसे अमीर अरबपतियों का कर्जा माफ किया। आपसे कहा भईया, कालेधन की लड़ाई है, कालेधन से लड़ना है और अब पूरे देश को सच्चाई समझ आ गई, हमारा पैसा नरेन्द्र मोदी जी ने हमारी जेब से निकालकर अरबपतियों को पकड़ा दिया।

कुछ दिन पहले मैं पंजाब गया। पहली बार मैंने जिंदगी में देखा, दशहरे पर रावण को नहीं जलाया जा रहा था, कुंभकरण, मेघनाथ को नहीं जलाया जा रहा था, दशहरे पर नरेन्द्र मोदी, अंबानी और अडानी का पुतला जलाया जा रहा था। अब आप सोचोगे, बिहार का चुनाव है, राहुल गांधी पंजाब की क्यों बात कर रहा है। राहुल गांधी बिहार में पंजाब की क्यों बात कर रहा है, मैं आपको बताता हूँ। यहाँ पानी की कोई कमी नहीं है, कोई कमी नहीं है न, हर

साल बाढ़ आती है, आप देश को 30 प्रतिशत मक्का देते हो, यहाँ पैदा होता है। मुझे ये बताओ यहाँ रेट क्या मिलता है आपको? (जनता ने कहा- 700-800 रुपए) ठीक है, 800 रुपए। अच्छा धान का क्या रेट मिलता है? ठीक है जो किसान की जेब में जाना चाहिए वो बिचौलिए लेकर हरियाणा और पंजाब में जाकर बेचते हैं, उनकी जेब में जाता है। अब हरियाणा-पंजाब में गुस्सा है। हरियाणा पंजाब में नरेन्द्र मोदी जी के पुतले जला रहे हैं क्यों ? क्योंकि नरेन्द्र मोदी जी ने नए बिचौलियों के लिए रास्ता साफ किया है। वो छोटे बिचौलिए नहीं, सबसे बड़े बिचौले, अंबानी और अडानी। क्यों, क्या किया- जो यहाँ पर 2006 में आपके साथ किया गया, मंडियों को खत्म किया गया, एमएसपी को नष्ट किया गया, खत्म किया गया, रद्द किया गया, वो अब नरेन्द्र मोदी जी पूरे देश में कर रहे हैं।

तीन कानून लाए हैं, मंडियाँ, एमएसपी प्रोक्योरमेंट सिस्टम को नरेन्द्र मोदी जी ने खत्म कर दिया है और इसलिए सब्जियों के दाम, प्याज के दाम तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। भाईयों और बहनों, दुनिया के सबसे बडे गोदाम बनने जा रहे हैं। आपका मक्का, आपका चावल, जो मक्का यहाँ आप 800 रुपए में बेचते हो, वो मक्का, वो चावल दुनिया के सबसे बड़े गोदाम में जाने जा रहे हैं। गोदाम अंबानी का है, अडानी का है और जो रेट पर वो बेचना चाहेंगे, वो बेचेंगे। आपका पैसा, बिहार का पैसा आपकी जेब से निकालकर नरेन्द्र मोदी इनकी जेब में डाल रहे हैं। ये सच्चाई है और इसीलिए पंजाब में, हरियाणा में नरेन्द्र मोदी जी का, अंबानी का और अडानी का पुतला जलाया जा रहा है।

अब देखिए, आपका पैसा ले लिया। मोदी जी कहते हैं किसान को मैंने आजाद किया। कैसे आजाद किया? वो कहते हैं- अब किसान अपना धान, अपना गन्ना, अपना मक्का, कहीं भी बेच सकता है वो, कहीं भी जाकर बेच सकता है। अरे नरेन्द्र मोदी जी एक बात बताइए, क्या किसान हवाई जहाज से जाकर बेचेगा या सड़क पर चलेगा और सड़क पर चलेगा तो बिहार में सड़क कहाँ है? नरेन्द्र मोदी जी किसान से कहते हैं मैंने तुम्हे आजाद कर दिया। जहाँ भी जाना चाहते हो, अपना मक्का, धान बेच सकते हो। एक भी सड़क नहीं है बिहार में। एक सड़क आपको नहीं मिलेगी। कैसे बेचेगा, किसको आजाद किया है आपने? किसको आजादी दी- हिंदुस्तान के सबसे बड़े अरबपतियों को आपने आजादी दी औऱ किसान-मजदूर को आपने गुलाम बनाया, पूरा देश देख रहा है।

देखिए, अगर नरेन्द्र मोदी जी के दिल में कुछ होता, किसान-मजदूर के लिए जगह होती, तो जो कोरोना में हुआ, वो नरेन्द्र मोदी जी कभी नहीं करते। हिंदुस्तान का प्रधानमंत्री, अगर हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री के दिल में मजदूर के लिए, किसान के लिए जगह होती तो वो मर जाता मगर जो नरेन्द्र मोदी जी ने किया, वो कभी नहीं करता और ये पूरा बिहार जानता है।

कोरोना आता है, नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं, भाईयों और बहनों, 22 दिन की लड़ाई है, 22 दिन में कोरोना को हम मिटा देंगे। भाईयों और बहनों, एक काम करो, थाली निकालो, थाली बजाओ, कोरोना भाग जाएगा। जब कोरोना नहीं भागा तो कहते हैं, भाईयों और बहनों, मोबाइल फोन निकालो, लाइट जलाओ। मतलब, वे सोचते हैं कि हिंदुस्तान की जनता में कोई भी अक़्ल नहीं है, कोई भी समझ नहीं है। 24 घंटे जो बोलना चाहते हैं, बोलते हैं। और क्या किया नरेन्द्र मोदी जी ने, बिना कोई वार्निंग, बिना कोई नोटिस लॉकडाउन कर दिया, बिना किसी को बताए। जैसे नोटबंदी की, वैसे लॉकडाउन किया औऱ जो बिहार के मजदूर थे, गरीब मजदूर, कोई पंजाब में, कोई हरियाणा में, कोई महाराष्ट्र में, कोई बैंगलोर में, उन सबको पैदल, भूखे- प्यासे हजारों किलोमीटर यहाँ वापस आना पड़ा। क्या जिस प्रधानमंत्री ने बिहार के मजदूरों के साथ ये किया, क्या उसके दिल में मजदूरों के लिए इतनी सी भी जगह है? (हाथ के इशारे से समझाकर सवाल पूछते हुए, जनता ने कहा नहीं) न।

मैं मिला। कोरोना के समय मैं दिल्ली में बाहर गया, मैंने कहा, मैं मिलना चाहता हूँ, देखना चाहता हूँ। मैंने मजदूरों से बात की, मजदूरों ने मुझसे एक सवाल पूछा, कहते हैं राहुल जी हमें एक बात नहीं समझ आई, ये जो प्रधानमंत्री हैं, इन्होंने हमें दो दिन का नोटिस क्यों नहीं दिया? हम रोज काम करते हैं, हमें रोज पैसा मिलता है, दो दिन में, दो दिन का नोटिस नहीं दिया इन्होंने हमें, क्यों नहीं दी? अगर ये हमें दो दिन छोड़िए, अगर एक दिन नोटिस दे देते, हम ट्रेन में बैठकर वापस चले जाते। मजदूरों ने मुझसे पूछा कि इस प्रधानमंत्री ने हमें नोटिस क्यों नहीं दिया? और मैंने उनसे पूछा, बताओ क्यों नहीं? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के दिल में हमारे लिए कोई जगह नहीं है। मैं आपको उनके शब्द बोल रहा हूँ, प्रधानमंत्री अमीरों के हैं, गरीबों के नहीं।

तो आपकी जेब में से पैसा निकालते हैं, हर साल यहाँ बाढ़ आती है, आपको गन्ने के लिए, मक्के के लिए सही रेट नहीं देते, फिर आपके युवा यहाँ से दूर-दूर जाकर, बाकि प्रदेशों में जाकर मजदूरी करते हैं और फिर नरेन्द्र मोदी लॉकडाउन करके, डंडा मारकर उनको वापस भगाते हैं और फिर, उसके बाद नरेन्द्र मोदी, नीतीश जी बिहार में आकर बिहार के युवाओं से वोट मांगते हैं? शर्म आनी चाहिए इनको। नीतीश जी, आपने क्या किया पिछले पांच सालों में? आप यहाँ वोट मांगने आते हो, आपने किया क्या? आपने सड़क दी? नहीं। क्या आपने गन्ने की शुगर मिल या मक्के की प्रोसेसिंग फैक्ट्री दी? नहीं। आपने जब बिहार के मजदूर पैदल चल रहे थे, आपने उनकी मदद की? नहीं। आपने उल्टा उनकी पिटाई की, उन पर लाठी चलवाई, उनको बंद करवाया। तो मतलब आप कैसे आकर बिहार की जनता से वोट मांग रहे हो? शर्म नहीं है।

आप जाइए छत्तीसगढ़ जाइए और वहाँ किसी भी किसान से पूछ लीजिए, धान के लिए उसको क्या रेट मिलता है और छत्तीसगढ़ का हर एक किसान आपको बोलेगा, हमें 2,500 रुपए प्रति क्विंटल धान का रेट मिलता है। चुनाव में हमने कहा, छत्तीसगढ़ में कहा था- देखिए, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने के बाद किसान को 2,500 रुपए प्रति क्विंटल रेट पैसा मिलेगा। आज जाइए, कहीं भी छत्तीसगढ़ में किसी भी किसान से पूछ लीजिए, 2,500 रुपए मिलता है। अगर छत्तीसगढ़ में मिल सकता है तो बिहार में क्यों नहीं? क्योंकि नीतीश जी और नरेन्द्र मोदी जी चुने हुए उद्योगपतियों की सरकार चलाते हैं! किसानों की नहीं चलाते, मजदूरों की नहीं चलाते, गरीबों की नहीं चलाते।

मैं यहाँ आया हूँ, आपको गारंटी देने के लिए कि बिहार में गठबंधन की सरकार बनेगी, तो वो गरीबों की होगी, किसानों की होगी, हर जाति की होगी और हर धर्म की होगी।

आखिरी बात मैं कहना चाहता हूँ। आज जब मैं हैलिकॉप्टर से उतरा, मैं यहाँ स्टेज पर आ रहा था और मुझे शरद यादव जी की याद आई और दुख हुआ। खुशी का दिन है, मैं आपसे मिला, उनकी बेटी चुनाव लड़ रही है, मगर दिल मे दुख भी है, शरद यादव जी बीमार हैं और वो आज यहाँ नहीं आ पाए। शरद यादव जी की हिस्ट्री, उनकी राजनीति गरीबों की राजनीति है और पहले शरद यादव जी और कांग्रेस के बीच में लड़ाई होती थी। कुछ साल पहले आंध्र प्रदेश में, 3-4 साल पहले आंध्र प्रदेश में एक प्रोग्राम हुआ और उसमें मैं भी गया और शरद यादव जी भी थे और पहली बार हम वहाँ मिले और शरद यादव जी का मैंने भाषण सुना। पहली बार मैं स्टेज पर मिला और फिर जब हम वापस जा रहे थे, मैंने देखा कि काफी भीड़ थी, धक्का-मुक्की चल रही थी, तो मैंने देखा कि शरद यादव जी खड़े थे, तो मैंने शरद यादव जी से कहा कि आप मेरे साथ चलिए और मैंने उनको अपनी गाड़ी में बैठा लिया और दो घंटे का रास्ता था और मैं आपको बताना चाहता हूँ कि दो घंटे में जो शरद यादव जी ने मुझे सिखाया हिंदुस्तान की राजनीति के बारे में, शायद उससे ज्यादा किसी ने मुझे नहीं सिखाया और आज मैंने उनकी बेटी से कहा, आपने

देखा होगा कि मैं स्टेज पर उनसे बात कर रहा था, आज मैंने उनकी बेटी (सुश्री सुभाषिनी यादव) से कहा- देखो, तुम्हारे जो पिता आज अस्पताल में हैं, उन्होंने मुझे बहुत सिखाया, एक प्रकार से हमारे इतिहास में, वो मेरे गुरु हैं। अगर वो मेरे गुरु हैं, तो तुम मेरी बहन हो और तुम्हारी रक्षा करना मेरी जिम्मेदारी है।

मैंने ये किसी और से नहीं पूछा है। मैंने ये बात बिहार के चुनाव में किसी और भाषण में नहीं कही है, जो मैं अभी कहने जा रहा हूँ। मैं आपसे गारंटी चाहता हूँ कि शरद जी की बेटी (सुश्री सुभाषिनी यादव) को आप चुनाव जिताओगे। मैं अपने लिए नहीं कह रहा हूँ, मैं आपके लिए और शरद यादव जी, जो आपके नेता हैं, उनके लिए कह रहा हूँ।

आपने इतना मुझे प्यार दिया, इतने दूर-दूर से आप आए, इतने प्यार से आपने मेरी बात सुनी, इसके लिए मैं आपको दिल से धन्यवाद करना चाहता हूँ।

नमस्कार। जय हिंद।

Sd/-
(Dr. Vineet Punia)
Secretary
Communication Deptt,
AICC